सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 269 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 7 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

कभी-कभी लोग कुछ कह कर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं, और कभी-कभी लोग चुप रहकर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं।

-दलाई लामा

हम 23 को फोड़ेंगे जीत का... 7
घुसपैठ व यूसीसी को लेकर... 3
भाजपा राज में किसान सबसे... 2

ट्रंप की जीत भारत के लिए खतरे की घंटी!

वीजा की समस्याएं, टैक्स को लेकर सवालिया निशान

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान पर खुले, 347 अंकों की गिरावट

» शेयर बाजार लाल, महंगाई के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था का दम्भ भरने वाले अमेरिका में चुनावी नतीजे आ चुके हैं। जिसके बाद अब ट्रंप अमेरिका के नए बादशाह बन गए हैं। ट्रंप के फिर से अमेरिका का राष्ट्रपति बनते ही भारतीय समाज में भी खुशी देखी गयी और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें की जाने लगीं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि ट्रंप की जीत भारत के लिए क्या वरदान बनेगी या अभिशाप। विदेश मामलों के जानकारों की मानें तो ट्रंप की जीत भारत के लिए अभिशाप बन कर आ रही है। क्योंकि जीत के पहले ही दिन भारतीय शेयर बाजारों ने इसे नकारात्मक तौर पर लिया और सेंसेक्स ने खुलते ही 300 से ज्यादा अंको की डुबकी लगा ली।

ट्रंप जिन वादों को करके जीते हैं उनमें अर्थव्यवस्था सबसे बड़ा वादा है। ट्रंप की जीत के बाद भारत में महंगाई और बढ़ सकती है। ब्याज दरों में तेजी और अमेरिकी चीजों की बढ़ी हुई लागत से भारतीय कारोबार पर असर पड़ सकता है। अर्थव्यवस्था को लेकर जो वादे प्रेसीडेंट ट्रंप ने अमेरिकियों से किए थे उनमें डालर की मजबूती सबसे उपर थी। यदि डालर मजबूत होगा तो रूपये की वैल्यू कम होगी। जोकि हमारे लिए नकारात्मक होगा। डॉलर के मजबूत होने से भारत जिन चीजों का आयात करता है, उसके लिए ज्यादा कीमत चुकानी होगी, विशेष रूप से तेल के लिए। इससे भी घरेलू महंगाई बढ़ेगी।

भारत-अमेरिका निर्यात पर पड़ेगा असर

ट्रंप की जीत के बाद भारत अमेरिका निर्यात पर असर पड़ना स्वाभाविक है। ट्रंप ने पहले ही साफ कर दिया था कि यदि भारत टैक्स कम नहीं करता है तो अमेरिका भी टैक्स कम नहीं करेगा। ट्रंप के शासनकाल में एक स्पोर्ट्स बाइक कंपनी के लिए ट्रंप चाहते थे कि भारत आयात शुल्क जीरो कर दे। लेकिन भारत अमेरिका के दबाव में नहीं आया था और उसने आयात शुल्क नहीं घटाया था। जिसके चलते भारत-अमेरिका आयात/निर्यात में मुश्किलें आने लगी थीं। दोनों देशों के विदेशी प्रतिनिधियों की लंबी बैठकों के बाद यह मामला सुलझा था।

ट्रेड बैरियर को खत्म करना चाहते हैं ट्रंप

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि ट्रंप भारत अमेरिका ट्रेड बैरियर को खत्म करना चाहते हैं या फिर कम करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने हमेशा भारत की व्यापार नीतियों की आलोचना की है। एक बार फिर जब ट्रंप दोबारा से अमेरिका की सत्ता पर काबिज हो रहे हैं, तो उनका प्रशासन भारत पर ट्रेड बैरियर को कम करने के लिए दबाव डाल सकता है। इससे आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्र प्रभावित होंगे।

वीजा का क्या होगा?

किसी भी देश के लोगों के लिए अमेरिकन वीजा के प्रति हमेशा अट्रेक्शन होता है। इस दिशा में ट्रंप की जीत के बाद भारतीयों के लिए परेशानी हो सकती है। ट्रंप ने पिछली बार एच-वनबी वीजा पर बैन लगा दिया था। इससे अमेरिका में मौजूद भारतीय आईटी कंपनियां बहुत ज्यादा प्रभावित हुई थीं।

शेयर बाजारों के लिए झटका!

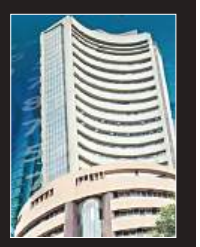

ट्रंप के पहले शासनकाल में अमेरिकी शेयर बाजारों ने इंडियन शेयर मार्केट से बेहतर प्रदर्शन किया था। उस दौरान नैस्डैक को 77 प्रतिशत की बढ़त मिली थी। वहीं निफ्टी सिर्फ 38 प्रतिशत ही चढ़ पाया था। भगवान न करे कि इस तरह की कोई बात दोबारा हो, लेकिन ऐसा होता दिखायी दे रहा है। ट्रंप के प्रेसीडेंट बनते ही भारतीय शेयर बाजारों में सत्र की शुरूआत में नकारात्मक असर दिखायी दिया और बाजार लाल निशान पर खुले। मेटल, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इंफ्रा सेक्टर में बिकवाली देखी गयी।

सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती नियमों को बीच में नहीं बदल सकते

» भर्ती प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान हाईकोर्ट में नियुक्ति से जुड़ा है मामला

यह मामला राजस्थान हाई कोर्ट में नियुक्ति से जुड़ा है। इस मामले में नौकरी से जुड़ी लिखित परीक्षा और इंटरव्यू होने के बाद 75 प्रतिशत क्वालीफाइंग नंबर पर ही नियुक्ति करने का नियम बनाया गया था। इस नए नियम के चलते बहुत से अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित रह गए थे।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने सरकारी नौकरियों की चयन प्रक्रिया के नियमों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के लिए भर्ती नियमों को बीच में नहीं बदला जा सकता है। ऐसा तब तक तो बिल्कुल नहीं कर सकते हैं, जब तक ऐसा निर्धारित न हो।

कोर्ट इस सवाल पर फैसला सुना रही थी कि क्या राज्य और उसके संस्थान प्रक्रिया शुरू होने के बाद नौकरियों के लिए चयन प्रक्रिया के नियमों में बदलाव कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले एक बार तय किए गए नियमों को बीच में नहीं बदला जा सकता। पीठ ने कहा कि चयन नियम मनमाने नहीं होने चाहिए। यह संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुसार होने चाहिए।

पराली जलाने पर अब सख्त हुई केंद्र सरकार

किसानों पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर की दोगुनी

» हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी जताई थी नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण समस्या लगातार भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। ये समस्या पूरे देश में गंभीर होती जा रही है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट भी लगातार अपनी नाराजगी जाहिर करता रहा है। अब केंद्र सरकार ने भी पराली की समस्या के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का फैसला किया है। केंद्र ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर दोगुनी कर दी है। पांच एकड़ से ज्यादा जमीन पर पराली जलाने पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दी गई है।

केंद्र सरकार के 'वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग' ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इसके आसपास के इलाकों में

'एनवायरमेंटल कंपेंसेशन फॉर स्टबल बर्निंग संशोधन कानून' के प्रावधानों को लागू कर दिया है। इस कानून में पराली जलाने पर जुर्माने और फंड के इस्तेमाल के प्रावधान बताए गए हैं। इसके तहत जिन किसानों के पास दो एकड़ से कम जमीन है, उन्हें पराली जलाने पर पर्यावरणीय जुर्माने के रूप में पांच हजार रुपये देने होंगे। वहीं जिन किसानों के पास दो से पांच एकड़ जमीन है और वे पराली जलाते पाए जाते हैं तो उन पर जुर्माना 10 हजार रुपये होगा। पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों को पराली जलाने पर 30 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी पंजाब-हरियाणा सरकारों को फटकार

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने में विफल रहने के लिए पंजाब और हरियाणा की सरकारों की आलोचना की। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता आयोग को पराली जलाने की घटनाएं लगातार होने के चलते पंजाब और हरियाणा सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। साथ ही पीठ ने उसके आदेश के उल्लंघनकर्ताओं पर मुकदमा चलाने के लिए एक सप्ताह की समय सीमा तय की है।

भाजपा राज में किसान सबसे ज्यादा परेशान : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- बीजेपी को नहीं किसानों की चिंता

» भाजपा सरकार झूठ, लूट और भ्रष्टाचार में लिप्त है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चुनावी माहौल में एक बार फिर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए निशाना साधा है। बीजेपीको निशाने पर लेते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। आज किसान सबसे ज्यादा बदहाल और परेशान हैं। मुख्यमंत्री योगी के गृह जनपद में भी किसानों में हाहाकार मचा है।

अखिलेश ने आगे कहा कि अगर काटने बांटने की भाषणबाजी और पॉलिटिकल पर्यटन से उन्हें फुर्सत मिले तो अपने गृह जनपद सहित पूरे प्रदेश में डीएपी बंटवा दें, बुवाई का सीजन फिर साल भर बाद ही आएगा। भाजपाइयों की नौटंकी और भाषणबाजी से किसान परेशान हैं।

सपा प्रमुख ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों से किए गए अपने एक भी वादे को पूरा नहीं किया। भाजपा ने किसानों की आय दुगनी करने का वादा किया था, किन्तु उसका अब कहीं जिक्र तक नहीं होता है। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा किसानों पर थोपे गए तीन काले कानूनों की वापसी के लिए सात सौ से ज्यादा किसानों की मौतें हो गई फिर भी सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का कानून नहीं बनाया। किसानों की समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

भाजपा सरकार में किसानों पर बढ़ी भ्रष्टाचार की मार

सपा मुखिया ने आगे कहा कि भाजपा सरकार में किसान बहुत परेशान है। एक तरफ जहां किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक महंगे मिल रहे हैं, वहीं जुताई बुआई महंगी हो गयी है। किसान को अपनी उपज का लाभकारी मूल्य भी नहीं मिल रहा है। सहकारी समितियों के गोदाम खाली हैं। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। किसान को ब्लैक में खाद खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है। बीज के साथ कुछ दवाओं के पैकेट लेने का भी दबाव बनाया जा रहा है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की मार किसानों पर पडने से किसान और ज्यादा लाचार तथा गरीब होता जा रहा है।

किसानों की सुनने वाला कोई नहीं

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर अपने हमले को तेज करते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के स्थायी समाधान पर भाजपा से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है। किसान भगवान भरोसे है, उसकी कोई सुनने वाला नहीं है। किसानों की समस्याओं के निदान के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ने जो कमेटी बनाई थी उसका भी कहीं अता-पता नहीं है। किसानों का बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान आज तक नहीं हुआ है। जबकि नये सत्र का गन्ना इंतजार कर रहा है। भाजपा सरकार की प्राथमिकता में पूंजीपति हैं किसान नहीं। खेती में हमेशा घाटा ही रहा है। उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का दावा करने वाली भाजपा सरकार में किसानों की दुर्दशा का अंत नहीं है। बिना किसानों के खुशहाल हुए वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी कैसे बन सकती है? भाजपा सरकार झूठ, लूट, भ्रष्टाचार में लिप्त है। इन दिनों तानाशाही का आलम यह है कि सरकारी धांधली के खिलाफ आवाज उठाने पर सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में किसानों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। विधानसभा उपचुनावों में जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है।

विपक्ष के सत्ता में आने पर तलवार से मनेगा त्यौहार : संजय निषाद

» कैबिनेट मंत्री बोले- विपक्ष करता है धर्म की राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर की सीसामऊ सीट पर उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने के लिए योगी सरकार के मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने कानपुर में निषाद समुदाय के लोगों के बीच बैठक की। इसके साथ ही उन्हें उनके अधिकार और सरकार की योजनाओं की याद दिलाई। मंत्री संजय निषाद ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जालीदार टोपीवालों के भरोसे विपक्ष रहता है, लेकिन बीजेपी यूपी की सभी सीटें जीत रही है।

संजय निषाद ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि जब विपक्ष सत्ता में आएगा तो तलवार से त्यौहार मनेगा, लेकिन जब बीजेपी आएगी तो व्यवहार से त्यौहार मनाया जाएगा। मंत्री संजय निषाद ने कहा हम एक रहेंगे तो नेक रहेंगे। सपा, बसपा, कांग्रेस के समय में लोग बाटे जाते थे। हिन्दू मुस्लिम दंगे इन्हीं की सरकार में हुए हैं हम तो जोड़ने का काम कर रहे हैं।

निषाद समाज के लोगों को किया एकजुट

फिलहाल संजय निषाद सीसामऊ सीट पर गंगा एक किनारे बसे मल्लाहों और निषाद समाज के लोगों को एक जुट कर बीजेपी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने कि कवायत में हैं। कानपुर में सीसामऊ सीट पर बीजेपी हर वर्ग को साधने की जुगत में लगी है जिसके चलते अब निषाद समुदाय को पाले में करने के लिए बीजेपी ने अपने यूपी के मंत्री और निषाद समुदाय के नेता संजय निषाद को कानपुर भेजा है।

विपक्ष को हिंदुओं के त्यौहारों से कोई वास्ता नहीं

चुनाव तारीखों के बढ़ाए जाने पर अखिलेश यादव के आरोपों पर संजय निषाद ने कहा कि सपा की सरकार में चुनाव आयोग को प्रभावित किया जाता होगा, चुनाव आयोग के लिए मर्यादित भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। विपक्ष को हिंदुओं के त्यौहारों से कोई वास्ता नहीं है, उन्हें त्यौहार रास नहीं आते हैं। सपा की प्रत्याशी नसीम सोलंकी को लेकर कहा कि विपक्ष धर्म की राजनीति करता है, धर्म को राजनीति से जोड़ने का काम किया जाता है लेकिन हम धर्म को धर्म और राजनीति को राजनीति से देखते हैं।

ओछी टिप्पणी करके राजनीतिक रोटियां सेंकना ठीक नहीं : स्मृति

» बीजेपी की महिला नेताओं पर हुई टिप्पणियों पर भड़कीं पूर्व केंद्रीय मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने झारखंड में सीता सोरेन और महाराष्ट्र में शाइना एनसी के खिलाफ विवादित बयान देने पर इंडिया गठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसी के ऊपर ओछी टिप्पणी करके राजनीतिक रोटियां सेंकना ठीक नहीं है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि चाहे झारखंड में सीता सोरेन हों या महाराष्ट्र में शाइना एनसी हों, ऐसा क्यों है कि जब एक महिला अपने सिद्धांतों के लिए राजनीति में चुनाव लड़ती है अथवा आवाज उठाती है, तो इंडी गठबंधन के नेता उसके खिलाफ बहुत ही मर्यादा विहीन बयान देते हैं।

महाराष्ट्र में है डरा-धमकाकर बनाई गई सरकार : अबू आजमी

» सपा नेता बोले- अब हो रहा है लव जिहाद, लैंड जिहाद और वोट जिहाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले मुंबई के बीकेसी में महाविकास अघाड़ी की जनसभा में समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने शिरकत की। वो मानखुर्द सीट से मौजूदा विधायक हैं। यहां से अजित पवार गुट की एनसीपी ने नवाब मलिक को मैदान में उतारा है। जनसभा को संबोधित करते हुए आजमी ने कहा कि यह डरा धमकाकर बनाई गई सरकार है, यह चुनी हुई सरकार नहीं है।

बीजेपी के गठबंधन पर निशाना साधते हुए समाजवादी पार्टी के नेता ने कहा कि 400 पार की बात करने वालों को 240 पर रोक दिया। इस बार 70-75 से ऊपर ना जा पाएंगे। 2014 से पहले कभी भी महाराष्ट्र में मॉब लिंचिंग नहीं हुई। बीफ के नाम पर लोगों की पिटाई की जा रही है।

एमवीए का लक्ष्य बीजेपी हटाओ, देश बचाओ

अबू आजमी ने कहा कि आधी रोटी खाएंगे, महाविकास अघाड़ी को जिताएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है कि बीजेपी हटाओ, देश बचाओ। बता दें कि महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन के लिए 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए एक लाख से अधिक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। 23 नवंबर को सभी उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला हो जाएगा।

2014 से पहले लव जिहाद नाम की नहीं थी कोई चीज

अबू आजमी ने आगे कहा कि 2014 से पहले लव जिहाद नाम की कोई चीज नहीं थी। अब लव जिहाद, लैंड जिहाद और वोट जिहाद हो रहा है। क्या यह लोग जाहिल हैं, क्या पढ़ाई लिखाई नहीं की? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब इनकी नीयत है कि मुस्लिमों की वक्फ बोर्ड की जमीन हड़प लो। इन जमीनों को कभी अंग्रेजों ने नहीं टच किया। छत्रपति शिवाजी महाराज ने 700 एकड़ जमीन डोनेट कर दी। अब ये हजम नहीं हो रही है।

साहब पहले एक घंटा स्वयं कटौती करते हैं फिर गांव तक बिजली पहुँचती हैं....

अभिषेक बनर्जी एक दिन बंगाल के सीएम बनेंगे : कुणाल घोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री को लेकर तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने संकेत दिया है। जिसमें उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री हो सकते हैं। घोष के इस बयान के बाद पश्चिम बंगाल की सियासत में हलचल बढ़ गई है। विपक्षी दलों ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ पार्टी पर वंशवाद का आरोप लगाया है। बता दें कि अभिषेक बनर्जी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं।

टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर कुणाल घोष ने जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए अच्छे स्वास्थ्य, खासकर उनकी आंखों से जुड़ी समस्याओं के ठीक होने की कामना की। घोष ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि अभिषेक बनर्जी ने बेहद कम उम्र में अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर दी है। मैं राजनीति में सक्रिय रहूं या न रहूं, मैं इस उभरते सितारे को करीब से देखूंगा। कुणाल घोष ने कहा कि अभिषेक एक दिन पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनेंगे और तृणमूल कांग्रेस को एक नये युग में ले जाएंगे। वह ममता बनर्जी की भावनाओं और विरासत का प्रतीक हैं। उन्होने कहा कि अभिषेक को लेकर राजनीति से परे, मेरे मन में उनके प्रति स्नेह और आदर है।

घुसपैठ व यूसीसी को लेकर बवाल

झारखंड गृहमंत्री के बयान पर सियासी सवाल

» झामुमो व भाजपा में वार-पलटवार

» सोरेन बोले- बीजेपी के मंसूबे नहीं होंगे पूरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वादा किया है कि अगर झारखंड में भाजपा की सरकार बनती है तो राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। हालांकि, आदिवासियों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। इसको लेकर राज्य में झामुमों व भाजपा आमने-सामने है। जहां सीएम सोरेन के कहा कि इसे राज्य में इसे लागू नहीं किया जाएगा। उधर घुसपैठ को लेकर भी वार-पलटवार जारी है। झामुमो ने कहा है बीजेपी की सरकार ज्यादा समय तक राज्य की सत्ता में रही तो उसने घुसपैठ क्यों नहीं रोका।

दरअसल, शाह ने एलान किया कि अपने घरो को छोड़ने के लिए मजबूर होने वाले लोगों के लिए एक विस्थापन आयोग बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके जरिए उद्योगों और खनन के कारण विस्थापित लोगों को बसाने के इंतजाम सुनिश्चित किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, हमारी सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता लाएगी, लेकिन आदिवासियों को इससे बाहर रखा जाएगा। हेमंत सोरेन और झामुमो सरकार यूसीसी को लेकर झूठ फैला रहे हैं कि इससे आदिवासियों के अधिकारों, संस्कृति पर असर पड़ेगा, जो कि पूरी तरह निराधार है। आदिवासी पूरी तरह से इसके दायरे से ही बाहर रहेंगे।

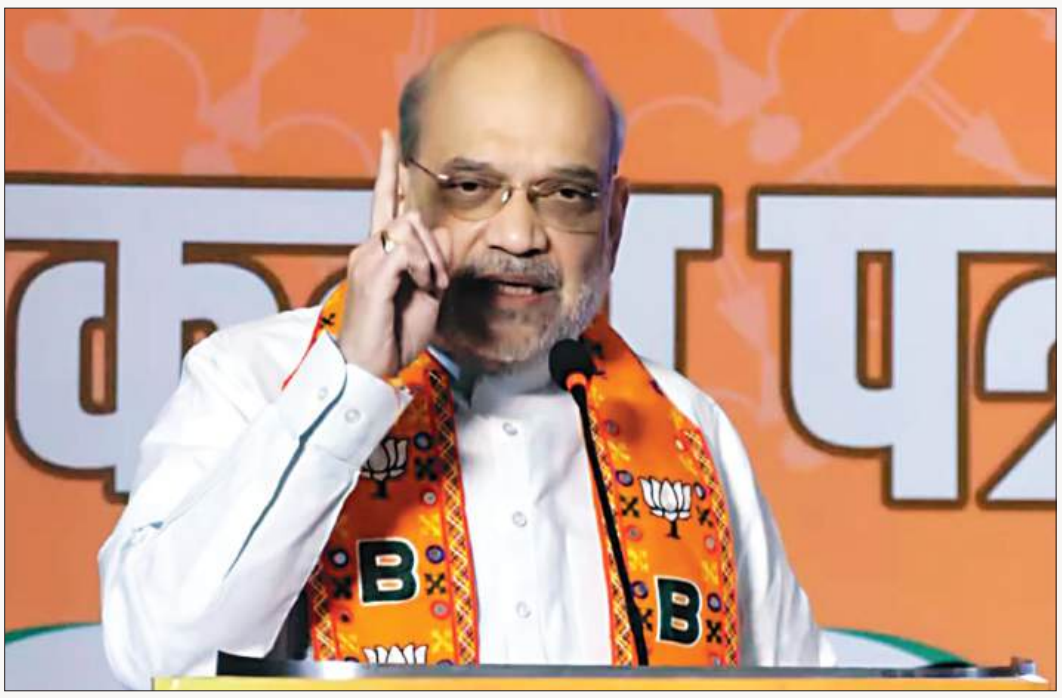

आदिवासियों की घटती आबादी चिंता का विषय : मरांडी

झारखंड भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को कहा कि वह पार्टी के राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के वादे का समर्थन करते हैं। उन्होंने आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से बाहर रखने के फैसले पर भी सहमति जताई। उन्होंने कहा कि यह इसलिए जरूरती है, क्योंकि आदिवासी समुदाय की घटती जनसंख्या चिंता का विषय है। मरांडी ने एएनआई के साथ बातचीत में कहा, आदिवासी समुदाय को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा, क्योंकि

झारखंड में उनकी जनसंख्या लगातार घट रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की आजादी के बाद से झारखंड में आदिवासी जनसंख्या में दस फीसदी की कमी आई है। उन्होंने कहा, अगर हम विशेष रूप से संथाल परगना की बात करें, तो कमी 16 फीसदी तक पहुंच जाती है, जो चिंता का विषय है। जबकि बाकी जनसंख्या बढ़ रही है। आदिवासियों की संख्या घट रही है। जिससे सभी के लिए यह चिंता का विषय बन गया है। आदिवासियों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा गया है, ताकि उनके समुदाय को संरक्षित किया जा सके। मरांडी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गढ़वा में एक रैली में भाग लिया।

सीएम सोरेन की उड़ान में देरी से नाराज झामुमो राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग

झारखंड में होने वाले चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में घमासन जारी है। वहीं सत्तारूढ़ झामुमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में स्टार प्रचारकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। बता दें कि पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हेलीकॉप्टर को डेढ़ घंटे तक उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के उड़ान में देरी को लेकर झामुमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा। पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गढ़वा और चाईबासा दौरे के कारण नो-फ्लाई जोन लगाया गया है। हमारे स्टार प्रचारक हेमंत सोरेन दोपहर 1.45 बजे पश्चिमी सिंहभूम के गुदरी में बैठक करने के बाद दोपहर 2.25 बजे सिमडेगा के बाजार टांड में चुनावी सभा को संबोधित करने वाले थे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए दोपहर 2.40 बजे चाईबासा पहुंचना था।

आदिवासी ही इस पर शासन करेंगे : हेमंत सोरेन

आदिवासी ही इस पर शासन करेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए दावा किया कि राज्य में कोई भी हिंदू खतरे में नहीं है, लेकिन विपक्षी पार्टी केवल अपने हिंदू-मुस्लिम विमर्श के जरिए यहां तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमने झारखंड को अलग राज्य बनाने के लिए लड़ाई लड़ी और हम अपने अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए भी लड़ेंगे। झारखंड आदिवासियों का है, इसलिए यहां आदिवासी ही राज करेंगे। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड की कुल जनसंख्या 32,988,134 है। इनमें से 26.21 प्रतिशत (8,645,042) आदिवासी

हैं। रघुबर दास को छोड़कर, 2000 में बने राज्य के सभी मुख्यमंत्री आदिवासी समुदाय से थे। सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार ने जनता के सहयोग से अच्छा काम किया है और भविष्य में भी ऐसा ही करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''सीबीआई और ईडी के साथ मिलकर भाजपा मुझे डरा रही है और झूठे आरोपों के लिए मुझे जेल भी भेजा। लेकिन मैं झारखंड की धरती का बेटा हूं। मैं न तो डरता हूं और न ही कभी झुकता हूं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में 31 जनवरी को सोरेन को गिरफ्तार किया था, हालांकि उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था। झारखंड की 81 विधानसभा सीट के लिए दो चरण में 13 नवंबर और 20 नवंबर को चुनाव होंगे, जबकि परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

हम किसी को धर्म या जाति के नाम पर नहीं बांटते : कल्पना सोरेन

एक जनसभा को संबोधित करते हुए जेएमएम नेता और गांडेय विधानसभा सीट से विधायक कल्पना सोरेन ने कहा, हम किसी को धर्म या जाति के नाम पर नहीं बांटते, अबुआ आवास योजना के जरिए हमने 25 लाख परिवारों को जोड़ने का काम किया है। इस दौरान कल्पना सोरेन ने भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार की तुलना करते हुए कहा कि भाजपा ने अपने समय में झारखंड में 13 लाख लोगों को पेंशन दी और हमारी सरकार ने सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सिर्फ 2 साल में 27 लाख लोगों को 1000 रुपये पेंशन देने का काम किया है।

पीएम की वजह से चुनाव आयोग दबाव में : सुप्रियो भट्टाचार्य

झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र लिखकर कहा कि गुदरी और चाईबासा के बीच की दूरी 80 किमी है जबकि सिमडेगा की दूरी 90 किमी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सोरेन के दौरे को मंजूरी दे दी थी। लेकिन प्रधानमंत्री के सुरक्षा प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए

सीएम के हेलीकॉप्टर को डेढ़ घंटे तक रोके रखा गया। भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक और स्वायत्त संस्था है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने कहा था कि सुरक्षा कारणों से 50 किलोमीटर के दायरे में 15 मिनट के लिए नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाएगा। हालांकि, सोरेन के हेलीकॉप्टर को डेढ़ घंटे तक अनुमति नहीं दी गई।

वोट मांगने से पहले कोयले की रॉयल्टी का हिसाब दे भाजपा : जयराम रमेश

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आज संकल्प पत्र जारी किया। भाजपा के संकल्प पत्र पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को लोगों से वोट मांगने से पहले झारखंड को लंबित कोयला रॉयल्टी के तौर पर 1.36 लाख करोड़ रुपये जारी करने में देरी का हिसाब देना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि केंद्र पर कोयला रॉयल्टी और केंद्रीय योजना के लाभ का लाखों करोड़ रुपये बकाया है। कांग्रेस नेता जयराम

रमेश ने कहा, कांग्रेस नेता ने कहा कि भूमि मुआवजे का भुगतान न करने के कारण 1,01,142 करोड़ रुपये, सामान्य कारण बकाया के तहत 32,000 करोड़ रुपये और धुले हुए कोयले की रॉयल्टी के तहत 2,500 करोड़ रुपये बकाया हैं। उन्होंने भाजपा की झारखंड इकाई पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पार्टी राज्य के लिए धन सुरक्षित करने में क्यों विफल रही और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसपर चुप क्यों हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खास नहीं आम लोगों को मिले सरकारी मदद!

अभी हाल में भारत सरकार ने 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के वृद्धों के लिए स्वास्थ्य बीमा की शुरुआत की है। इसी तरह से कई योजनाएं ऐसी बनाई हैं जिसमें कुछ खास वर्गों खास तौर से सरकारी कर्मियों के हितों का ध्यान दिया गया है। अब ऐसी चर्चा हो रही है कि सरकार को सबकी चिंता करनी चाहिए ताकि सभी लोग मिलकर देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दे सकें।जैसा कि संविधान में जिस समानता की बात की गई है उसे ध्यान में रखते हुए सरकार केवल सरकारी कर्मचारियों व कुछ खास के ही हितों की चिंता न करे। उसे सबका साथ-सबका विकास नारे के तहत सबकी चिंता करनी चाहिए। उसे यह संदेश नहीं देना चाहिए कि वह सरकारी कर्मियों व कुछ खास लोगों के हितों की रक्षा के लिए अधिक तत्पर और संवेदनशील है। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने अस्सी वर्ष से ज्यादा उम्र के अपने पेंशनधारियों के अनुकंपा भत्ते में 20 से 100 प्रतिशत तक वृद्धि करने की घोषणा की। यह अतिरिक्त पेंशन होगी। सरकार का यह फैसला चकित करता है। आखिर वह इतनी दयालुता क्यों दिखा रही है? क्या उसने ऐसा कोई अध्ययन किया कि 80 साल से अधिक आयु वाले सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों की वित्तीय हालत अच्छी नहीं है?

इस उम्र तक आते-आते तो लोगों की जरूरतें न्यूनतम हो जाती हैं, फिर अनुकंपा भत्ते में इतनी वृद्धि क्यों? वैसे मानवीय दृष्टिकोण से विचार करें तो बुजुर्गों, दिव्यांगों और गरीबों की चिंता करना हर कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी है और सरकारें उसे अपनी सामर्थ्य भर पूरा कर भी रही हैं, लेकिन जब खुशहाली के पैमाने पर हमारी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, तब हमें पहले नौजवान पीढ़ी, नवजात बच्चों, उनकी माताओं और मजदूरों की चिंता करनी चाहिए, न कि उन बुजुर्गों की, जिनका जीवन सरकारी नौकरी में पहले से ही सभी पैमाने पर देश के आम आदमी से कहीं अच्छा है। सरकारी नौकरी में रहते हुए कर्मचारियों को तमाम सुविधाएं मिलती हैं। रिटायरमेंट के बाद भी उन्हें अच्छी-खासी पेंशन मिलती है। अभी हाल में सरकार ने तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता और बढ़ाया है। सभी सरकारी कर्मचारियों को मेडिकल सुविधाएं मुफ्त में मिलती हैं। रेलवे और कुछ अन्य विभागों में रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों को यात्रा के लिए सरकारी पास, तो रक्षा और दूसरी नौकरियों में रियायती दर पर सामान आदि मिलते हैं। नौकरी में रहते हुए उन्हें सरकारी घर, दफ्तर आने-जाने के लिए कार आदि की सुविधा, यात्रा भत्ता, लीव इनकैशमेंट, बोनस आदि मिलते हैं। आखिर 99 प्रतिशत जनता को देने के लिए सरकार के पास क्या है? आज किसान गांव छोड़कर शहरों में मजदूर बनने के लिए अभिशप्त हैं। क्या सरकार के पास घरों में काम करने वाली महिलाओं के लिए कोई स्कीम है? क्या निजी कंपनियां अपने यहां काम करने वाली महिलाओं को ऐसी छुट्टी देंगी?कुल मिलाकर सरकार उन लोगों के बारे में भी सोचना चाहिए जो किसी भी सरकारी योजना से महरुम हैं।

“ पिछले दिनों केंद्र सरकार ने अस्सी वर्ष से ज्यादा उम्र के अपने पेंशनधारियों के अनुकंपा भत्ते में 20 से 100 प्रतिशत तक वृद्धि करने की घोषणा की। यह अतिरिक्त पेंशन होगी। सरकार का यह फैसला चकित करता है। आखिर वह इतनी दयालुता क्यों दिखा रही है? क्या उसने ऐसा कोई अध्ययन किया कि 80 साल से अधिक आयु वाले सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों की वित्तीय हालत अच्छी नहीं है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जन सहयोग से हो कारगर नीतियों का क्रियान्वयन

अखिलेश आर्येंदु

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या गंभीर हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर केंद्र और राज्य सरकारों की कार्रवाई को नकारते हुए कहा कि मौजूदा कानून प्रभावी नहीं हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि स्वच्छ वातावरण में रहना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, जिसे सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए। नि:संदेह, प्रदूषण बढ़ने के प्रमुख कारणों में आतिशबाजी, किसानों द्वारा पराली जलाना, हवा की रुकावट, बढ़ती धूल और वाहनों का धुआं शामिल हैं। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 की सघनता विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कहीं अधिक है, जिससे यह दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया है। यहां की हवा में जहरीले तत्वों की अधिकता की वजह से ही स्थानीय लोग सालभर वायु और ध्वनि प्रदूषण के गंभीर प्रभावों का सामना करते हैं।

इस समस्या को दूर करने के लिए दिल्ली सरकार ने कई प्रयास किए हैं, जैसे कि बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक, पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध, किसानों को आर्थिक सहायता देने, एनसीआर में उद्योगों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) मुहैया कराना और कई अन्य कदम जैसे बदरपुर बिजली संयंत्र बंद करना और निर्माण अपशिष्ट प्रबंधन नियम लागू करना शामिल है। इसके बावजूद, प्रदूषण की समस्या जस की तस बनी हुई है, जिसके कारण लोगों की जीवन प्रत्याशा घट रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण के कारण प्राकृतिक संसाधन और पर्यटन स्थल भी प्रभावित हो रहे हैं। ध्वनि प्रदूषण भी न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति और भी विकट हो गई है, खासकर त्योहारों के दौरान। कुल 3.3 करोड़ की जनसंख्या में से बड़ी संख्या में अधिकांश लोग किसी न किसी रूप में प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन न कोई ठोस जागरूकता अभियान चलाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कानून के तहत त्योहार मनाने की दिशा में आदेश दिए, लेकिन इनका पालन नहीं होता।

पुलिस महज औपचारिकता निभाती है और आम जनता प्रदूषण के प्रति जागरूक नहीं है। समस्या का समाधान तभी संभव है जब सरकार और नागरिक दोनों पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हों। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का सबसे गंभीर प्रभाव लोगों की सेहत पर पड़ रहा है, खासकर नई-नई बीमारियों के रूप में। ठंड के मौसम में प्रदूषण के कारण

सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं और बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं। दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 तक पहुंच जाता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा से 100 गुना अधिक है। इस प्रदूषण का असर जीवन प्रत्याशा पर भी पड़ रहा है; शिकागो विश्वविद्यालय के अनुसार, दिल्ली में रहने वालों के जीवनकाल में औसतन 11.9 साल की कमी आई है। प्रदूषण के कारण दिल, फेफड़े, आंत, आंख, हड्डी और यकृत से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका गहरा असर हो रहा है, विशेष रूप से बच्चों में याददाश्त और गणितीय क्षमताओं में गिरावट देखी जा रही है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण केवल वायु तक सीमित नहीं है, जल, ध्वनि, मिट्टी और प्रकाश प्रदूषण भी तेजी से बढ़ रहा है। यमुना जैसे प्रमुख जलस्रोतों का पानी प्रदूषित हो चुका है, जिससे न केवल जल का उपयोग मुश्किल हो गया है, बल्कि आवारा जानवरों और पक्षियों में बीमारियों का संक्रमण बढ़ा है, और मवेशियों व पक्षियों की मौतें हो रही हैं। एक अमेरिकी शोध के अनुसार, भारत के बड़े शहरों में बढ़ता मिट्टी, जल और ध्वनि प्रदूषण पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार, पिछले तीस वर्षों में दिल्ली में कैंसर के मरीजों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है, विशेष रूप से 0 से 14 साल के बच्चों में। दिल्ली की हवा में मौजूद खतरनाक गैसें जैसे कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रिक आक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और ओजोन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा करती हैं। इसके अलावा, पीएम 2.5 (अल्ट्रा फाइन पार्टिकुलेट मैटर) प्रदूषण का एक और प्रमुख कारण है, जो मोटर वाहनों, बिजली संयंत्रों, फैक्टरियों और पटाखों से निकलता है।

पीएम 2.5 के संपर्क में आने से दिल और फेफड़ों की बीमारियों का खतरा बढ़ता है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। डाउन टू अर्थ की रिपोर्ट और साल 2018 से 2023 के अक्टूबर महीने के बीच 25 शोधों के अनुसार, भारत के बच्चों पर वायु प्रदूषण का असर केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के तमाम बड़े शहरों में यह समस्या बढ़ रही है। इसके कारण नवजात बच्चों का जन्म के वक्त वजन में कमी, समय से पहले प्रसव और मृत जन्म दर वृद्धि हो रही है। यूनाइटेड नेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में करोड़ों बच्चे एनीमिया से ग्रस्त हैं और प्रदूषण के कारण एंटीबायोटिक दवाओं का प्रभाव भी कम हो रहा है।

लाहौर के प्रदूषण का ठीकरा पंजाब के सिर

पुष्परंजन

मंगलवार को पाकिस्तान के प्रमुख अखबार ‘डान’ ने अपने सम्पादकीय में प्रदूषण के चरम पर पहुंच जाने, और सरकार की लाचारी को उजागर किया है। अखबार लिखता है, ‘लाहौर में हवा की गुणवत्ता अब पहले से भी बदतर हो गई है, रविवार को पहली बार वायुमंडल में प्रदूषण सूचकांक 1,000 से अधिक हो गया। स्मॉग के खतरे के कारण प्रांतीय सरकार ने ग्रेड 5 तक के प्राथमिक स्कूलों को बंद कर दिया है। प्रदूषित हवा, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानकों से कई गुना अधिक खतरनाक रसायन होते हैं, कई श्वासन रोगों के साथ-साथ स्ट्रोक, हृदय रोग और फेफड़ों के कैंसर का कारण बन सकती है। हालांकि, प्रांतीय सरकार ने प्रदूषण के सभी स्रोतों पर लगाम लगाने का प्रयास किया है, जिसमें रेस्तरां के बारबेक्यू से अत्यधिक धुआं छोड़ना भी शामिल है।

लेकिन, इन उपायों के सही तरीके से पालन न होने से सारे प्रयास बेकार गए हैं। पंजाब के अधिकारियों ने एक अन्य कारक को भी दोषी ठहराया है- सीमा पार से प्रदूषण, जहां से पराली जलाने और आतिशबाजी का धुआं पाकिस्तान आ रहा है। मुख्यमंत्री मरियम नवाज अब दोनों पंजाबों द्वारा स्मॉग संकट से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास की मांग कर रही हैं।’ मगर, डॉन के इस सम्पादकीय को सम्पूर्ण मत मानिये। अखबार यह बताने में असमर्थ है, कि पाकिस्तान वाले पंजाब में किसान जो पराली जला रहे हैं, वो वातावरण को कितना प्रदूषित कर रहा है। आप बस, दिवाली छोड़ दें, तो मुस्लिम राष्ट्र पाकिस्तान में उतने ही इवेंटजीवी हैं, जितने कि भारतीय। आप कराची जाएं, बाकायदा पटाखा बाजार है वहां। पटाखों से भरे बाजार आपको पाकिस्तान के लगभग हर बड़े शहर में मिलेंगे। रावलपिंडी, क्वेटा, कहूटा, कराची, लाहौर समेत सिंध के कई सारे शहर, पटाखे निर्माण के केंद्र हैं, जहां हर साल पांच-दस लोगों की मौत की खबर आम बात है। वर्ष 2022 में, पाकिस्तान ने 5.46 मिलियन डॉलर के पटाखों का निर्यात किया था, जिससे वह दुनिया में पटाखों का 16वां सबसे बड़ा निर्यातक बन गया। पाकिस्तान से पटाखों के निर्यात के मुख्य गंतव्य हैं तुर्की, नाइजीरिया, और अफगानिस्तान। बैन लगाने के बावजूद, पाकिस्तान में न तो पटाखों का निर्माण रुका, न ही शादी-विवाह, क्रिकेट, शबे बारात, ईद जैसे उत्सवों पर पाकिस्तानी अवाम पटाखे छोड़ने से बाज आया।

यों, चीनी पटाखे पूरी दुनिया के बाजार में घुसे हुए हैं। लेकिन, जो देश पर्यावरण को लेकर सबसे सरोकारी दिखते हैं, वो किस कदर पटाखे के निर्यात में लिप्त हैं, आंकड़े देखकर हैरानी होती है। पिछले साल पूरी दुनिया में पटाखों का कारोबार डेढ़ अरब डॉलर का था। यह हर साल लगभग पच्चीस से तीस फीसद की दर से बढ़ रहा है। चीन, जर्मनी, नीदरलैंड, पोलैंड और स्पेन पटाखों के शीर्ष निर्यातक देश बनकर उभरे हैं, जिनका सामूहिक रूप से आतिशबाजी निर्यात से कुल अंतर्राष्ट्रीय राजस्व में 95 प्रतिशत योगदान रहा है। तो क्या इन देशों की कोई जवाबदेही नहीं बनती है?

यह कितना बड़ा मजाक है, दिल्ली जैसी राजधानी जहां पीएम से लेकर सारा मंत्रालय, सुप्रीम कोर्ट और पटाखों पर प्रतिबन्ध को लागू कराने वाली सारी एजेंसियां मौजूद हैं, उनके रहते अराजक लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी को गैस चेंबर में तब्दील कर दिया। किसी से कहिये, उसका पहला रिएक्शन होगा, ‘यह कोई नई बात नहीं है। हिन्दू यदि दिवाली में आतिशबाजी करते हैं, तो क्रिसमस-नववर्ष समारोहों को भी देखिये।’ आप दिल्ली जैसी वास्तुकला, खानपान वाला कोई दूसरा शहर दक्षिण एशिया में ढूंढ़ेंगे, तो उसका नाम है लाहौर। यहां पटाखे से लेकर पराली तक बैन है, लेकिन लाहौर की एक करोड़ 40 लाख आबादी बेदम है। एयर क्वालिटी इस कदर खतरनाक हो चुकी है, कि पांचवीं तक के सारे जूनियर स्कूलों के क्लास फिजां सामान्य होने तक स्थगित कर दिए गए हैं। पर्यावरण मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि अमृतसर और चंडीगढ़ से आने वाली पूर्वी हवाएं पिछले दो दिनों से लाहौर में प्रदूषण से संबंधित वायुमंडल में प्रदूषण सूचकांक को 1,000 से अधिक तक बढ़ा रही हैं। पाकिस्तानी पंजाब इस मुद्दे को नई दिल्ली के समक्ष उठाने के लिए सोमवार को विदेश मंत्रालय को पत्र भेज चुका है। जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज पंजाब के सीएम से मिलेंगी। कुछ दिन पहले, मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने दिवाली के एक समारोह में संकेत दिया था कि वह धुंध के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाने के लिए भारतीय पंजाब के मुख्यमंत्री से संपर्क करेंगी।

पर्यावरण मंत्री मरियम औरंगजेब ने स्वीकार किया कि हवा की दिशा नहीं बदली जा सकती, और सीमा पार धुंध के मुद्दे को केवल बातचीत के जरिए ही सुलझाया जा सकता है। उन्होंने इसे पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रहने का मामला बताते हुए इसका राजनीतिकरण किये जाने के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने ईंट-भट्ठा मालिकों और ट्रांसपोर्टरों को उत्सर्जन को बदतर बनाने के विरुद्ध चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सरकार निर्माण परियोजनाओं को अस्थायी रूप से बंद करने और लॉकडाउन लगाने सहित सख्त कदम उठा सकती है। ‘उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा सकते हैं, उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है।’लेकिन, सवाल है कि मरियम नवाज की पर्यावरण डिप्लोमेसी से दोनों तरफ के किसान पराली जलाना बंद कर देंगे? मरियम नवाज से लेकर मरियम औरंगजेब तक किसानों को प्रदूषण फैलाने का कसूरवार नहीं मानतीं। ठीक उसी तरह के बयान, जैसे दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय पराली जलाने वाले किसानों के विरुद्ध कुछ कहने से कतराते हैं।

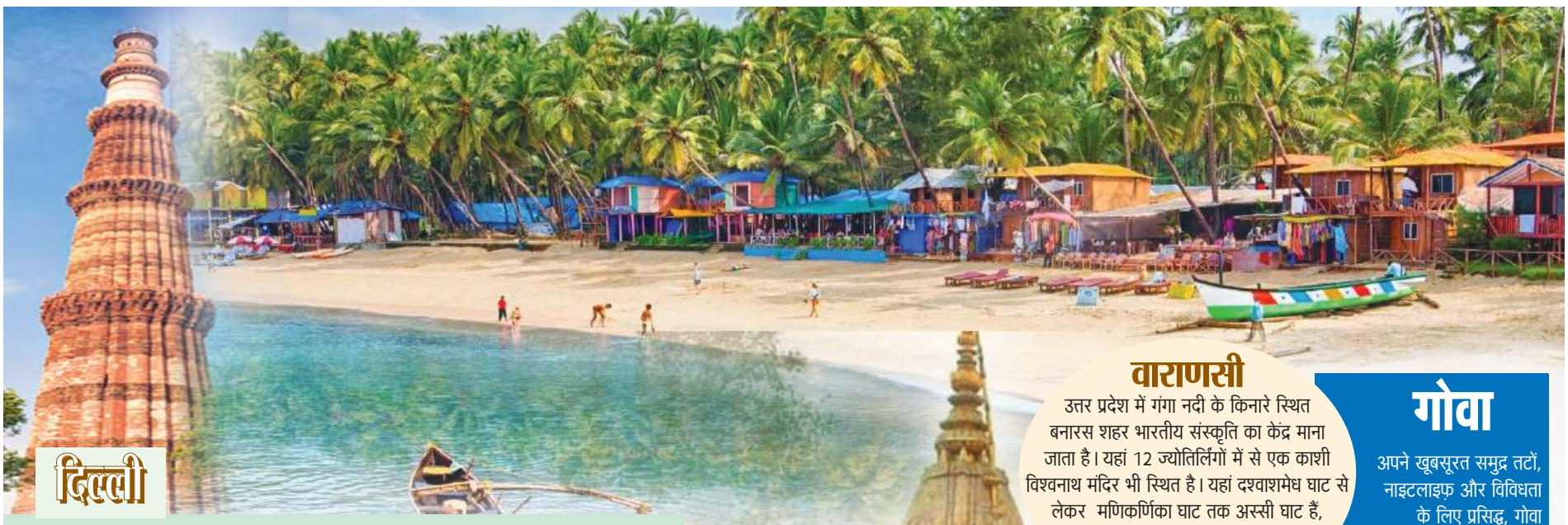

भारत के चार प्रमुख शहर

जहां घूमने आते हैं पर्यटक

देश-दुनिया में सैकड़ों विश्व धरोहर, ऐतिहासिक इमारतें और महल, प्राकृतिक दृश्यों से परिपूर्ण स्थल मौजूद हैं। भारत एक ऐसा देश है जो अपनी सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। यहां की कई जगहें विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। भारत में कश्मीर से कन्याकुमारी तक कई पर्यटन स्थल हैं, जो न केवल भारतीय पर्यटकों बल्कि विदेशी यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इसलिए इन जगहों पर हर साल विदेशी पर्यटकों की भीड़ देखने को मिल जाती है।

दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक विदेशी मेहमान आते हैं। दिल्ली में कई ऐतिहासिक इमारतें जैसे हुमायूं का मकबरा, कुतुब मीनार, इंडिया गेट है, जो कि विश्व प्रसिद्ध है। इसके अलावा यहां का शानदार चांदनी चौक बाजार और कनॉट प्लेस पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में जहां एक लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का दिल्ली में स्वागत किया गया। वहीं कोविड काल के बाद 2023 में करीब 18 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक दिल्ली आए।

आगरा

भारत में दुनिया का सातवां अजूबा स्थित है। यहां भारत का ही नहीं बल्कि विश्व के सबसे बड़े आकर्षक स्थलों में से एक ताजमहल है, जो कि आगरा जिले में मौजूद है। ताजमहल विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। ताज के दीदार करने के लिए भारत के अलग अलग शहरों के साथ ही विदेशों से बड़ी संख्या में पर्यटक आगरा पहुंचते हैं। आगरा में ताजमहल के अलावा आगरा का किला भी महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है, जहां विदेशी सैलानी घूमते नजर आ जाते हैं। 2019 में आगरा में लगभग 80 लाख विदेशी पर्यटक घूमने आए थे। वहीं 2023 में लगभग 11 लाख से अधिक पर्यटक आगरा घूमने पहुंचे।

वाराणसी

उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के किनारे स्थित बनारस शहर भारतीय संस्कृति का केंद्र माना जाता है। यहां 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ मंदिर भी स्थित है। यहां दशवाशमेध घाट से लेकर मणिकर्णिका घाट तक अस्सी घाट हैं, जिसकी गंगा आरती में हजारों विदेशी पर्यटक लगभग हर दिन शामिल होते हैं।

गोवा

अपने खूबसूरत समुद्र तटों, नाइटलाइफ़ और विविधता के लिए प्रसिद्ध, गोवा भारतीय और विदेशी पर्यटकों का एक प्रमुख स्थल है। भारत का गोवा शहर विदेशी नजारों से परिपूर्ण है। यहां ऐतिहासिक स्थल, चर्च के साथ ही विदेशों जैसे बीच भी हैं। इसके अलावा यहां विदेशी सैलानी भी देखने को मिल जाते हैं। गोवा में साल 2021 में 22 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक आए थे जबकि साल 2023 में संख्या बढ़कर लगभग साढ़े चार लाख से अधिक हो गई।

हंसना मना है

बॉयफ्रेंड -मुझे मेहनती, सादगी से रहने वाली, आज्ञाकारी और घर संवार कर रखने वाली लड़की चाहीए..
गर्लफ्रेंड -मेरे घर आकर मेरी नौकरानी को ले जा..

लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड को फोन किया, लड़की : मैं कल तुमसे मिलने नहीं आ सकती। बॉयफ्रेंड- ओह! चलो मैं तुम्हारा गिफ्ट किसी और को दे देता हूं। लड़की - मेरा मतलब था, मैं कल नहीं आ सकती! अभी कहां हो तुम?

पति - तुमसे शादी करके मुझे एक बहुत बड़ा फायदा हुआ है! पत्नी - वो क्या? पति - मुझे मेरे गुनाहों की सजा जीते जी मिल गई...!!!

सास- कितनी बार कहा है, बाहर जाओ तो बिन्दी लगाकर जाया करो। आधुनिक बहु - पर जीन्स पर बिन्दी कौन लगाता है, सास - तो मैंने कब कहा जीन्स पर लगानी है, माथे पर लगा चुड़ैल माथे पर..

टीचर- 'हिम्मत ए मर्दा तो मदद ए खुदा' का मतलब बताओ? बच्चा- जो अपनी बीवी के सामने मर्द बनने की कोशिश करता है, उसकी मदद फिर खुदा ही कर सकता है?

कहानी | हाथी और दर्जी

एक गांव रत्नापुर में रोज एक पुजारी पूजा-पाठ करता था। उस पुजारी के पास अपना एक हाथी था, जिसे वो अपने साथ रोज मंदिर लेकर जाता था। सभी गांव के लोग हाथी को बहुत पसंद करते थे। हाथी भी मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का खूब स्वागत-सत्कार किया करता था। रोज हाथी तालाब में नहाने के बाद घर लौटते समय दर्जी की दुकान पर रुकता था। दर्जी भी रोज हाथी को प्यार से एक केला खाने को देता। एक दिन हाथी जब दर्जी की दुकान पर केला खाने के लिए रुका, तो दर्जी को शरारत करने का दिल हुआ। उसने हाथी को केला देने के बाद अपने हाथ में सुई रख ली। जैसे ही हाथी ने उसे नमस्ते किया, दर्जी ने उसकी सूंड पर सुई चुभा दी। सुई चुभते ही हाथी जोर से चिंघाड़ते हुए करहाने लगा। दर्जी ने हाथी के दर्द का खूब मजाक उड़ाया और जोर-जोर से हंसने लगा। पुजारी को पता नहीं चला कि क्या हुआ। वो हाथी को सहलाते हुए अपने घर लेकर चला गया। अगले दिन फिर हाथी दर्जी की दुकान पर रुक गया। आज हाथी ने अपने सूंड में कीचड़ भर लिया था। दर्जी अपनी दुकान में बैठकर कपड़ों की सिलाई कर रहा था। जैसे ही हाथी ने दर्जी को देखा, वैसे ही हाथी ने उसकी पूरी दुकान पर कीचड़ फेंक दिया। उस कीचड़ में दर्जी तो भीगा ही, बल्कि उसकी दुकान के सीले हुए कपड़े भी खराब हो गए। इस सबसे दर्जी समझ गया कि मैंने कल जो किया था, उसी का दण्ड हाथी ने मुझे आज दिया है। दर्जी को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने हाथी से माफी मांगी। उसने कहा, हे गजराज, आपने बिल्कुल सही किया। मैंने जो कल किया था, उसका नतीजा यही होना चाहिए। हाथी ने दर्जी की तरफ देखा और अपनी सूंड को हवा में लहराते हुए वहां से चला गया। दर्जी को मन-ही-मन बहुत बुरा लग रहा था। उसने अपने एक अच्छा दोस्त हाथी खो दिया था। उस दिन से दर्जी ने ठान ली कि वो किसी को भी मजाक में भी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

7 अंतर खोजें

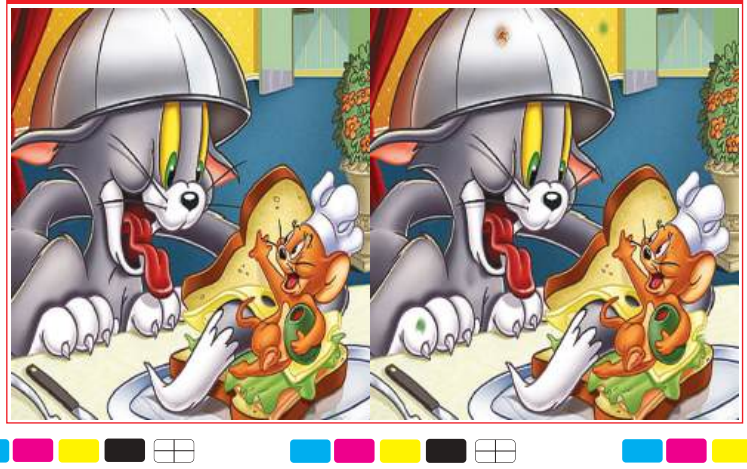

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी।

वृषभ प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन आज धन लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा।

कन्या संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें।

तुला नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है।

धनु प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें।

मकर अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

कुम्भ अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन आज फालतू धन खर्च होगा। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

150 करोड़ के क्लब में एंट्री को तैयार कार्तिक की भूल भुलैया 3

कार्तिक आर्यन ने रूह बाबा बनकर एक बार फिर लोगों का दिल जीत लिया है। दिवाली से उनका सिनेमाघरों पर जलवा कायम है। उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। ये फिल्म कलेक्शन के मामले में रोजाना अजय देवगन की सिंघम अगेन को कांटे की टक्कर दे रही है। खास बात ये है कि वीक डेज में भी ये फिल्म 2 डिजिट में कमाई कर रही है। फिल्म का पांचवें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ गया है। जिसके बाद कहा जा सकता है कि अब ये फिल्म 150 करोड़ के क्लब से ज्यादा दूर नहीं है। भूल भुलैया 3 की बात करें तो फिल्म ओपनिंग डे से ही अच्छा कलेक्शन कर रही है। जो भी इसे देख रहा है वो तारीफ किए बिना खुद को रोक नहीं पा रहा है। जिससे इसका वर्ड ऑफ माउथ ज्यादा है और इसका असर कलेक्शन पर साफ देखने को मिल रहा है।

पांचवें दिन किया इतना कलेक्शन

सैकनिल्क के अर्ली ट्रेंड के मुताबिक भूल भुलैया 3 ने पांचवें दिन करीब 13 करोड़ का कलेक्शन किया है। ये अभी अर्ली ट्रेंड के हिसाब से है। जब कलेक्शन का असली डाटा सामने आएगा तो ये उससे ज्यादा ही होगा।

पांचवें दिन के कलेक्शन के बाद फिल्म की टोटल कमाई 137 करोड़ हो गई है। फिल्म ने पहले दिन 35.5 करोड़, दूसरे दिन 37 करोड़, तीसरे दिन 33.5 करोड़ और चौथे दिन 18 करोड़ इतनी कमाई की थी। अब फिल्म 150 करोड़ के क्लब में शामिल होने से ज्यादा दूर नहीं है।

भूल भुलैया 3 की बात करें तो इसे अनीज बज्मी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। फिल्म में तृप्ति ग्लैमर का तड़का लगाती नजर आई हैं। वहीं कार्तिक और विद्या की एक्टिंग की तारीफ करते लोग थक नहीं रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

अक्षय के साथ रोमांटिक सीन करने पर मुझे अजीब फील होता है : करीना

फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपना करियर शुरू करने वाली करीना कपूर आज बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस कहलाती हैं। एक्ट्रेस ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। जिसमें सलमान खान से लेकर अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। लेकिन एक बार एक्ट्रेस ने अपने कोस्टार अक्षय कुमार को लेकर एक हैरान कर देने वाला खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि वो जब भी एक्टर के साथ रोमांस करती हैं तो उन्हें बहुत अजीब फील होता है। दरअसल करीना कपूर ने अक्षय कुमार के साथ 'दोस्ती', 'टशन', 'अजनबी' और 'ऐतराज' जैसी फिल्मों में काम किया है। लेकिन एक बार एक्ट्रेस ने कहा था कि जब भी वो अक्षय के साथ रोमांटिक सन करती ती उन्हें काफी अजीब लगता था। करीना कपूर ने बताया कि क्योंकि उनकी बहन करिश्मा कपूर अक्षय के साथ कई फिल्में कर चुकी हैं और आज वो उनके साथ रोमांस कर रही हैं। करीना कपूर ने कहा था कि, जब करिश्मा उनके साथ फिल्म करती थी। तब उस वक्त वो स्कूल में होती थी और जब भी उनके सेट पर जाती थी तो अक्षय कुमार के साथ खेला करती थी। करीना ने कहा कि, कभी वो मेरी बहन के कोस्टार होते थे और आज मैं उनके साथ रोमांस कर रही हूं। इसलिए मुझे काफी अजीब लगता था। बता दें कि हालिया रिलीज फिल्म 'सिंघम अगेन' में भी करीना कपूर के साथ अक्षय कुमार नजर आए हैं। हालांकि फिल्म में एक्ट्रेस अजय देवगन की पत्नी बनी हैं। 'सिंघम अगेन' में करीना, अक्षय कुमार और अजय देवगन के अलावा टाइगर श्रॉफ, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के अलावा अर्जुन कपूर भी अहम रोल में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा कलेक्शन कर रही है।

'कहे तोसे सजना' गाने के लिए शारदा सिन्हा को मिले थे केवल 76 रुपये

बॉलीवुड | स्मृति शेष

कैंसर से हारीं जंग

कई वर्षों से एक तरह के ब्लड कैंसर से जूझते हुए 5 नवंबर को 72 वर्ष की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके बेटे ने सोशल मीडिया पर दुख जताते हुए लिखा, आपकी प्रार्थनाएं और प्यार हमेशा मेरी मां के साथ रहेगा। छठी मैया ने उन्हें अपने पास बुला लिया है। अब वह भौतिक रूप में हमारे बीच नहीं हैं।

मशहूर लोक गायिका और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता शारदा सिन्हा का मंगलवार 5 नवंबर को दिल्ली के एम्स में कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया। वह अपने लोकप्रिय छठ गीतों के लिए मशहूर थीं। शारदा सिन्हा केवल छठ गीतों तक ही सीमित नहीं थीं, उन्होंने बॉलीवुड में भी अपनी एक अलग छाप छोड़ी।

शारदा सिन्हा ने सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' और 'हम आपके हैं कौन' में गाने गाए थे। सिन्हा ने मैंने प्यार किया के गाने कहे तोसे सजना से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म सुपरहिट थी। एक करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 45 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जिसने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान ने बतौर हीरो डेब्यू किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए सलमान को 30,000 मिले थे, लेकिन क्या आपको पता है शारदा सिन्हा को इसके लिए कितने रुपये मिले थे? यह आपको चौंका देगा। दरअसल, शारदा सिन्हा को 'मैंने प्यार किया' फिल्म में कहे तोसे सजना गाने के लिए केवल 76 रुपये मिले थे।

मैंने प्यार किया के बाद शारदा सिन्हा ने सलमान की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' में एक बार फिर फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या के साथ काम किया। इस फिल्म में उन्होंने 'बाबुल' को अनीना आवाज दी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बना ली और उत्तर भारत में लोक गीतों को गाया। एक बार फिर उन्होंने अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से वापसी की। इस फिल्म में उन्होंने 'तार बिजली' गीत गाया। यह फिल्म भी हिट रही। वहीं, उन्होंने हुमा कुरैशी अभिनीत वेब सीरीज महारानी में 'निर्मोहिया' गाना भी गाया।

एशिया का सबसे बड़ा शिवलिंग वाला मंदिर, द्वापर युग में हुई थी स्थापना

द्वापर युग के दौरान बाण राजा ने असम के तेजपुर में महाभैरव मंदिर की स्थापना की, जो आज एशिया का सबसे बड़ा शिवलिंग वाला मंदिर माना जाता हैतबेला यहाँ की मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में स्थित शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ था, जो अपने आप में अनोखी आस्था का केंद्र हैतबेला बाण राजा और उनकी पुत्री ऊषा ने यहाँ नियमित रूप से शिव की पूजा-अर्चना की थी। पौराणिक कथाओं में यह भी कहा गया है कि यह मंदिर मूल रूप से पत्थर से निर्मित था।

हालाँकि, बाद में समय के साथ मंदिर का कुछ हिस्सा ध्वस्त हो गया था, जिसके बाद अहोम राजाओं ने इसे पुनः निर्मित कराया। महाभैरव मंदिर में स्थित शिवलिंग को लेकर मान्यता है कि इसका आकार समय के साथ स्वतः बढ़ता रहता है। भक्तों का मानना है कि यह शिवलिंग किसी मानवीय प्रयास से नहीं, बल्कि स्वयंभू है, जो इसे और भी चमत्कारी बनाता है। यहाँ आने वाले भक्तों के लिए यह विशेष मान्यता आस्था का विषय है, जिससे मंदिर की महिमा और बढ़ जाती है। इस मंदिर में प्रतिदिन करीब पाँच से सात हजार श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। सावन महीने में, विशेषकर सोमवार के दिन, यहाँ भक्तों की संख्या लाखों तक पहुँच जाती है। असम के विभिन्न हिस्सों के अलावा, देश-विदेश से भी कई श्रद्धालु यहाँ शिव की आराधना और पूजा करने आते हैं। महाभैरव मंदिर का यह धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व लोगों को यहाँ आकर्षित करता है और इसे एक प्रमुख तीर्थ स्थल बनाता है। सावन के महीने में महाभैरव मंदिर में विशेष पूजा-पाठ और रुद्राभिषेक का आयोजन होता है, जिससे मंदिर की पवित्रता और माहात्म्य और बढ़ जाता है। भक्तजन इस दौरान शिवलिंग पर जल, दूध, और बेलपत्र अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर मंदिर में भव्य झांकियाँ, दीपमालाएँ और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं, जो भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करते हैं।

जनश्रुतियों के अनुसार, बाण राजा द्वारा स्थापित यह मंदिर उस समय से ही जाग्रत शिव मंदिर माना जाता है। शिवलिंग का स्वयं प्रकट होना और आकार का समय के साथ बढ़ना, इसे अन्य शिव मंदिरों से अलग बनाता है। यह आस्था का प्रतीक और इतिहास का साक्षी है, जहाँ श्रद्धालु शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए आते हैं।

अजब-गजब | ज्यादातर लोगों को नहीं होगी इस बात की जानकारी

इन देशों में नहीं हैं एक भी भारतीय

आज भारतीय मूल के लोग या भारतीय आप्रवासी दुनिया के अधिकांश देशों में पाए जा सकते हैं, क्योंकि भारतीय समुदाय दुनिया के लगभग हर कोने में पहुंच चुका है। बावजूद इसके कुछ देश ऐसे हैं जहां भारतीयों की उपस्थिति या तो बहुत कम है या जीरो है इस सवाल का जवाब ज्यादातर लोगों को पता नहीं होगा। दरअसल ये देश है वेटिकन सिटी। वेटिकन सिटी दुनिया भर में लाखों रोमन कैथोलिकों के लिए आध्यात्मिक केंद्र के तौर पर जाना जाता है और यहां कोई भी भारतीय नहीं है।

रोम के मध्य में मौजूद वेटिकन सिटी दुनिया का सबसे छोटा स्वतंत्र राज्य है। यह कैथोलिक चर्च और वेटिकन सिटी का आध्यात्मिक केंद्र है, यहां सेंट पीटर बेसिलिका और वेटिकन संग्रहालय जैसे प्रतिष्ठित स्थल मौजूद हैं। यहां पर्यटक के रूप में भारतीय आ सकते हैं, लेकिन भारतीय यहां बसे हुए नहीं हैं। यह बेहद छोटा क्षेत्र आबादी के लिहाज से सबसे छोटा देश है और इसमें कोई भी भारतीय नहीं रहता है। इस देश की कुल जनसंख्या 500-600 तक सिमट जाती है। इटली के एपिनेन पर्वत में स्थित सैन मैरिनो दुनिया के सबसे पुराने गणराज्यों में से एक है। यह खूबसूरत माइक्रोस्टेट अपनी भव्य वास्तुकला, सुंदर दृश्यों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां भारतीयों सहित दुनिया भर से पर्यटकों का स्वागत तो होता है लेकिन इंडियन पॉपुलेशन न के बराबर है।

बुल्गारिया भी एक खूबसूरत देश है। यह देश रेतीले

समुद्र तटों, काला सागर और बाल्कन की वजह से अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। इस देश में भी आपको ढूंढने से भी भारतीय नहीं मिलेंगे।

उत्तर कोरिया में भारतीयों की मौजूदगी लगभग नगण्य है और इसके पीछे कई प्रमुख कारण हैं। उत्तर कोरिया एक सख्त सत्तावादी शासन वाला देश है। यहां की सरकार ने विदेशी नागरिकों और अप्रवासियों के लिए बहुत सख्त नियम बनाए हैं, जो दूसरे देशों के लोगों को यहां आकर बसने या काम करने से रोकते हैं। यही कारण है कि उत्तर कोरिया में कोई बड़ा भारतीय समुदाय नहीं है और बहुत कम भारतीय अप्रवासी यहां देखे जाते हैं। भारत और उत्तर कोरिया के बीच राजनयिक संबंध हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक या प्रवासी संपर्क बहुत सीमित हैं। भारतीयों के लिए यहां नौकरी या अन्य उद्देश्यों के लिए आना मुश्किल है, क्योंकि उत्तर कोरिया में आर्थिक अवसर बहुत सीमित हैं और कठोर सामाजिक व्यवस्था के कारण दूसरे देशों के लोगों के लिए यहां बसना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, उत्तर कोरिया में इंटरनेट और संचार पर सख्त प्रतिबंध हैं, जिससे बाहरी देशों के लोगों के लिए वहां रहना और भी मुश्किल हो गया है। उत्तर कोरियाई सरकार विदेशी नागरिकों की गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण लागू करती है। वहां आने वाले पर्यटकों के साथ हर समय एक गाइड भी रहता है और उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाती है। इस प्रकार, उत्तर कोरिया उन कुछ देशों में से एक है जहां भारतीय समुदाय की उपस्थिति नगण्य है।

हम 23 को फोड़ेंगे जीत का पटाखा : उद्धव

» बोले- हमारी लड़ाई महाराष्ट्र के हो रहे गुजरातीकरण को रोकने की है

» हमारा नारा 'मुंबई बचाओ' का है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एमवीए ने जारी किया अपना घोषणापत्र

मुंबई। विधानसभा चुनावों को लेकर महाराष्ट्र में सियासी पारा काफी हाई है। इस दौरान मुंबई में महाविकास अघाड़ी के घोषणापत्र जारी होने के मौके पर पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम 23 तारीख को जीत का पटाखा फोड़ेंगे। हम अंधेरे में कुछ नहीं करते, जो करते हैं खुले काम करते हैं। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि एक शख्स अब बेरोजगार होने वाला है।

उद्धव ठाकरे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस ने मुझे चैलेंज दिया कि पहले मुम्ब्रा में मंदिर बनाओ। मुम्ब्रा के प्रवेश द्वार पर ही छपत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा है। फडणवीस पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि जिस ठाणे से आपने गद्दार मुख्यमंत्री बनाया, उनके जिले में क्या आप छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बना पायेंगे? इसके साथ ही उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद हम हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनाएंगे। सूरत में भी मंदिर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मुम्बई और महाराष्ट्र का गुजरातीकरण का काम चल रहा है, वो होने नही देंगे। जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि यह चुनाव सिर्फ शिवसेना, कांग्रेस या एनसीपी के अस्तित्त्व की लड़ाई नहीं बल्कि महाराष्ट्र के हो रहे गुजरातीकरण के खिलाफ की लड़ाई है। यहां कॉन्ट्रैक्टर्स की सरकार है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद धारावी के संदर्भ में जो कॉन्ट्रैक्ट अडानी को दिया गया है वो रद्द कर देंगे। दहिसर, मुलुंड, मालवण, मिठाघर, कुर्ला मदरडेरी जैसी तमाम जमीने दी गई हैं। मसला केवल धारावी की जमीन की नहीं है। हमारा नारा मुंबई बचाओ का है, कोराना काल में भी हमने ये किया था।

हम किसानों को देंगे तीन लाख की कर्जमाफी: पवार

इस दौरान एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने भी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण हुआ और वो ध्वस्त हुआ। उनकी प्रतिमा के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार ने और हमने किसानों को कर्जमाफी की। मैं गठबंधन की तरफ से आपको बताना चाहता हूं कि अगर आप महाविकास अघाड़ी की सरकार चुनकर देते हैं तो किसानों को तीन लाख तक की कर्जमाफी दी जाएगी। जो किसान नियमित रूप से कर्ज चुकाएगा उसे 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। हम लोग किसानों के योजना पर काम करेंगे। शरद पवार ने आगे भरोसा दिलाते हुए कहा कि किसानों को बचाने के लिए, किसानों की सरकार लाने के लिए, महंगाई-बेरोजगारी कम करने वाली और महिलाओं को सुरक्षा देने वाली सरकार हम देंगे।

शरद पवार ने किसानों को लेकर किया वादा

महाविकास अघाड़ी ने किया 5 गारंटियों का जिक्र

महाविकास अघाड़ी की ओर से जारी घोषणापत्र में 5 गारंटियों का जिक्र किया गया है। इसमें महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 3000 रुपये प्रति माह और महिलाओं और लड़कियों के लिए मुफ्त बस यात्रा की बात कही गई है। इसके साथ ही किसानों को 3 लाख रुपये तक की ऋण माफी और नियमित ऋण भुगतान पर 50,000 रुपये का प्रोत्साहन राशि देने का जिक्र किया गया है। इसके अलावा जातिवार जनगणना कराने की बात कही गई है। 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटाने का प्रयास करने का भी जिक्र है। वहीं, 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त दवाएं देने की बात कही गई है। इसके अलावा बेरोजगार युवाओं को प्रति माह 4000 रुपये तक की सहायता राशि देने का वादा किया गया है। बता दें कि महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही फेज में 20 नवंबर को मतदान है, जबकि 23 नवंबर को वोटों की गिनती की जाएगी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य की छात्राओं को सरकार की ओर से मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाती है। हालांकि, अगर राज्य में महा विकास अघाड़ी सत्ता में आती है तो राज्य के छात्रों को भी मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। बेटा और बेटी दोनों परिवार के स्तंभ हैं। इसलिए बेटियों के साथ बेटों को भी सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा दी जाएगी पूर्व सीएम ने कहा कि महिलाओं को अक्सर पता नहीं होता है कि पुलिस स्टेशन जाने पर शिकायत कहां करें। इसे देखते हुए प्रदेश में एमवीए के सत्ता में आने पर महिला पुलिस कर्मियों की भर्ती की जाएगी। वरिष्ठ पदों पर महिला अधिकारियों के साथ महिला पुलिस कर्मियों से लैस पुलिस स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

पन्ना प्रमुख का काट निकालने के लिए आप ने बनाई रणनीति

» दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस इस बार 2024 के लोकसभा की रणनीति के तहत न्याय यात्रा से ही अपने अभियान की शुरुआत करने जा रही है, तो वहीं बीजेपी एक बार फिर आरएसएस के पन्ना प्रमुखों के जरिए दिल्ली फतह का प्लान तैयार कर रही है। वहीं, प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी आप ने भी इस बार आरएसएस के पन्ना प्रमुखों की काट के लिए एक बार फिर अपने वॉलंटियर्स और बूथ की रणनीति को ही मजबूत करने की तैयारी की है।

आम आदमी पार्टी 11 से 20 नवंबर तक 1 लाख वॉलंटियर्स को शपथ दिलाने के लिए दिल्ली के 14 जिलों में शपथ दिलवाने के कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रही है। आप ने इसके लिए हर जिले में 5 विधानसभाएं रखी है। जिसमें अरविंद केजरीवाल सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित भी करेंगे। दिल्ली आप के संयोजक गोपाल राय ने इस संबंध में जानकारी दी है। जाहिर है कि आम आदमी पार्टी के लिए इस बार दिल्ली का चुनाव पिछले दो चुनाव की तरह उतना आसान रहना वाला नहीं है। क्योंकि दिल्ली के कथित शराब घोटाले ने कहीं न कहीं आम आदमी पार्टी को नुकसान पहुंचाया है। जिस तरह से सीएम के जरीवाल से लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व सत्येंद्र जैन जैसे सरकार के बड़े चेहरों के जेल जाने से आप सरकार की चूरें कहीं न कहीं हिली है। क्योंकि भाजपा ने जिस तरह से भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर आप घेरा है उसका असर कुछ हद तक विधानसभा चुनावों में देखने को मिल सकता है।

दिल्ली में जनवरी-फरवरी में हो सकते हैं चुनाव

गौरतलब है कि दिल्ली में जनवरी अंत या फरवरी के पहले सप्ताह में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। बेशक चुनाव में अभी 2 से 3 महीने का समय अभी बाकी हो लेकिन चुनावी रणनीति पर तेजी से काम किया जा रहा है। यही वजह है कि बीजेपी के पन्ना प्रमुखों का जवाब देने के लिए आम आदमी पार्टी ने कमर कस ली है।

आप ने बनाए 13637 बूथ इंचार्ज

लोकसभा चुनावों में दिल्ली की 7 सीटों पर जीत हासिल करने वाली बीजेपी ने उस जीत का श्रेय आरएसएस के साथ साझा किया था। उस वक्त बताया गया था कांग्रेस और आप के गठबंधन के बावजूद आरएसएस के पन्ना प्रमुख और उनकी छोटी बड़ी बैठकों ने बीजेपी को दिल्ली में 7-0 करने में अहम भूमिका निभाई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए आप ने दिल्ली के 13637 बूथों पर बूथ इंचार्ज बनाने की तैयारी कर ली है।इसके लिए आप ने एक खाका तैयार किया है। आप की रणनीति के मुताबिक, 13637 बूथ इंचार्ज होंगे। हर बूथ पर 10 लोगों की एक कमेटी बनाई जाएगी। ये कमेटी 250 घर या 1000 लोगों को कवर करने का काम करेगी। इसके साथ ही दिल्ली के मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने बताया कि बूथ इंचार्ज और बूथ कमेटियों के काम पर नजर रखने के लिए 3500 मंडल अध्यक्ष भी बनाए जाएंगे, जिसकी घोषणा भी पार्टी बहुत जल्द करने वाली है।

काटोगे-बांटोगे अब नहीं चलेगा: चंद्रशेखर

» बोले- डर गए हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मीरापुर। उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर उपचुनाव होना है, जिसको लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए है। इसी बीच नेताओं की बयानबाजी भी खूब सामने आ रही है। इसी क्रम में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष मीरापुर विधानसभा पर अपने प्रत्याशी जाहिद हुसैन के समर्थन में जनसभा करने पहुंचे थे। वहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी पर जमकर निशाना साधा। चंद्रशेखर ने कहा कि मुख्यमंत्री डर गए हैं, सात साल से सर्वोच्च स्थान पर बैठे आदमी कह रहें हैं डर जाओ।

आजाद ने कहा कि चुनाव में बीजेपी न बटेंगे न कटेंगे का नारा देती है और हमने नारा दिया है, पढ़ोगे तो और आगे बढ़ोगे। काटोगे बांटोगे अब नहीं चलेगा, कुछ नया

लाएं सीएम। लोकसभा में जनता ने 44 सीट हारा दी, जनता उनके खिलाफ खड़ी हो गई है। फतेहपुर में पत्रकार दिलीप की हत्या, पुलिस कस्टडी में मोहित पांडेय की हत्या, लखनऊ में अमन गौतम की हत्या, गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज, सीएम के पास इसका जवाब है। चंद्रशेखर ने कहा कि मुझे डर है ये लोग माहौल खराब न करा दें झगड़ा न करा दें, इनके नेताओं के भाषण डरे हुए हैं।

बहनजी हमारी बड़ी नेता

नगीना सांसद ने कहा कि बहनजी हमारी बड़ी नेता हैं, लेकिन षड्यंत्रकारियों से लड़ने के लिए चंद्रशेखर जैसे व्यक्ति की जरूरत है। भाजपा हार रही है, इस डर से चुनाव की तारीख बदल रही है। राजस्थान और बिहार में भी उपचुनाव है। वहां क्यों नहीं तारीख बदली। बीजेपी और सपा के नेताओं के मुजफ्फरनगर दंगे की मीरापुर में एंट्री के बयानों पर कहा भाजपा के लोग जब तक मुजफ्फरनगर दंगे पर बात नहीं करेंगे, वोट नहीं मिलेगी। इनका पेट नहीं भरेगा। वो दंगे की बात करेंगे हम रोजगार की।

हम अपने बलबूते लड़ेंगे चुनाव

ओवैसी से गठबंधन न होने पर चंद्रशेखर ने जवाब दिया कि मैं ओवैसी का सम्मान करता हूं अच्छे नेता हैं। हम अपने बलबूते चुनाव लड़कर देखना चाहते हैं, हम कहां खड़े हैं और जो कमियां हैं, उन्हें दो साल में दूर करेंगे। हो सकता है भविष्य में सब साथ लड़ें। आजाद ने कहा कि जयंत चौधरी हमारे भाई हैं, चौधरी चरण सिंह और अजीत सिंह हमारे नेता हैं। मैं नेताजी का भी सम्मान करता हूं, कांग्रेस को सीट ना देने पर अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए भीम आर्मी के मुखिया ने कहा कि मैंने सुना है, हम इग्नोर होने वाले लोग हैं। यहां त्याग की कोई इज्जत नहीं है। कोई सम्मान नहीं है।

यौन उत्पीड़न मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिया सख्त निर्देश

» कोर्ट ने कहा- महिलाओं को जल्द मिले मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने महिलाओं व नाबालिगों से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामलों में सभी ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया है कि वे महिलाओं और नाबालिगों से जुड़े यौन उत्पीड़न व शारीरिक चोटों के मामलों में फैसला देते समय पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश भी दें। साथ ही, कोर्ट ने जिला एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों को आदेश दिया कि वे निर्देशों का तेजी से क्रियान्वयन करें, ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द मुआवजा मिल सके।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस पंकज मित्थल की पीठ ने आईपीसी और पॉक्सो के प्रावधानों के तहत दुष्कर्म और हमले के दोषी व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में ट्रायल कोर्ट तथ्यों व परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और मौजूद सबूतों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते या बरी करते हुए समय पीड़ित को मुआवजा देने का आदेश दें।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भारी हंगामा, विधायकों में हुई हाथापाई

इंजीनियर राशिद के भाई ने अनुच्छेद 370 को लेकर दिखाए पोस्टर, भाजपा ने जताया कड़ा विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज काफी हंगामा हुआ। इतना ही नहीं अनुच्छेद 370 को लेकर सदन में हाथापाई होने लगी। हंगामे के बाद स्पीकर ने विधानसभा की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी। जिसके बाद स्पीकर ने कहा कि जो वेल में आए उनको बाहर निकालो। मर्शलों ने कुछ भाजपा विधायकों को विधासभा से बाहर निकाला।

बारामूला से लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद के भाई और लेंगेट से विधायक खुर्शीद अहमद शेख द्वारा अनुच्छेद 370 पर बैनर दिखाए। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने इस पर आपत्ति जताई। बैनर को देखकर भाजपा के विधायक भड़क गए और उन्होंने उनके हाथ से उस पोस्टर को छीन लिया। भाजपा विधायकों ने शेख खुर्शीद के हाथ से पोस्टर लेकर उसे फाड़ दिया। इस दौरान हाथापाई होने लगी और जमकर हंगामा हुआ। सदन स्थगित होने के बाद भी भाजपा सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा।

हम भारत माता को मजबूत करना चाहते हैं : चौधरी

जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा कि हम वो लोग हैं जो भारत माता को मजबूत करना चाहते हैं। हमने लोगों के हित, उद्योगों, पर्यटन, शिक्षा आदि के बारे में बात की है। लोग देख रहे हैं कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, फारुख अब्दुल्ला और सुरिंदर कुमार चौधरी जो कह रहे हैं वह उनके हित में है।

हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे: खुर्शीद अहमद शेख

इस दौरान इंजीनियर राशिद के भाई और अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख विधानसभा में अनुच्छेद 370 पर एक बैनर प्रदर्शित करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से कानूनी है। हम अनुच्छेद 370 पर एक प्रस्ताव लाना चाहते थे, लेकिन हमें मौका नहीं दिया गया। तो, हमारे पास और क्या विकल्प था? बैनर में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 के बारे में बात की गई थी, जिसकी हम निंदा करते हैं। लेकिन यह भाजपा को पसंद नहीं आया। भले ही वे हम पर हमला करना जारी रखें, हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

विधानसभा का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं : रैना

भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और अलगाववादियों के एजेंडे को दोबारा जिंदा करने की कोशिश और साजिश की है। जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं है। जिस तरह चोरी छिपे कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रस्ताव को विधानसभा में लाया है वह गैरकानूनी, असंवैधानिक है। यह देश के साथ गद्दारी है। भाजपा इस एजेंडे को कभी लागू नहीं होने देगी।

भाजपा ने सुरक्षा पर आवाज उठाई कि ऐसी चीजों को कैसे अनुमति दी जाती है। पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 और 35ए की बहाली की मांग को लेकर प्रस्ताव पेश किया।

वक्फ संपत्ति विवाद में कर्नाटक के किसानों से मिले जेपीसी अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कांग्रेस ने जताया विरोध, कहा- किसने दिया अधिकार

बेंगलुरु। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने आज कर्नाटक में किसानों से मुलाकात की। दरअसल, इन किसानों की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने दावा किया था। जिसे लेकर कर्नाटक में राजनीतिक विवाद गहरा गया है। क्योंकि कांग्रेस ने इस पर विरोध जताया है।

किसानों से मुलाकात के बाद जगदंबिका पाल ने कहा कि किसानों ने मुझे एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें बताया गया कि जो जमीन उनकी थी, उस पर वक्फ बोर्ड ने दावा कर दिया है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उनके पास इस जमीन के मालिकाना हक होने का कोई सबूत है तो किसानों ने बताया कि बीते 50-70 वर्षों से वो ही इस जमीन पर खेती कर रहे हैं।

जेपीसी का कदम लोकतंत्र के हित में नहीं: जावेद

जगदंबिका पाल का किसानों से मिलना राज्य की कांग्रेस सरकार को पसंद नहीं आया है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा कि पूरी जेपीसी टीम को कर्नाटक से चले जाना चाहिए। उन्हें किसने अधिकार दिया कि वे किसानों से मिलें? एक तरफा तरीके से राजनीतिक फैसले ले लेना ठीक नहीं है। जब कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पहले ही कह चुकी है कि मामला निपट गया है और किसानों की जमीन उनके पास ही रहेगी फिर इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। उनका कदम देश के संसदीय लोकतंत्र के हित में नहीं है।

डीके शिवकुमार ने बताया राजनीतिक ड्रामा

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने जेपीसी अध्यक्ष के किसानों से मिलने को राजनीतिक ड्रामा करार दिया। उन्होंने कहा कि भूमि, राज्य के अधिकार क्षेत्र में आती है। भाजपा के समय में यानी साल 2019 में ही ये शुरू हुआ था। उनकी सरकार में किसानों को नोटिस दिए गए, लेकिन मेरी सरकार इस बात के लिए समर्पित है कि दस्तावेजों में कोई बदलाव नहीं होगा। हम नहीं चाहते कि किसान प्रभावित हों। ये भाजपा ने शुरू किया और अब हम पर आरोप लगाए जा रहे हैं। जेपीसी के पास अधिकार नहीं है। वे यहां सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए आए हैं।

सलमान के बाद अब शाहरुख खान को मिली जान से मारने की धमकी

» मुंबई पुलिस की एक टीम जांच के लिए गई रायपुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सलमान खान के बाद, भारतीय अभिनेता शाहरुख खान को फैजान खान नामक एक व्यक्ति द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। महाराष्ट्र के बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। रायपुर के आरोपी ने अभिनेता से भारी फिरौती की मांग की है।

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिली है। रिपोर्ट के

मुताबिक उन्हें एक कॉल पर धमकी मिली है। मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी फैजान नाम के शख्स ने धमकी भरा कॉल किया है। सूत्रों ने बताया कि मुंबई पुलिस की एक टीम जांच के लिए रायपुर गई है। बई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अभिनेता शाहरुख खान को कथित तौर पर धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है।

'सपा को सत्ता के लिए करना होगा और इंतजार'

» सपा के पोस्टरों पर ओपी राजभर ने किया पलटवार

» बोले- अगर वन नेशन वन इलेक्शन कानून बन गया तो 2027 में नहीं होगा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही प्रदेश में सियासी हलचल तेज देखी जा रही है। समाजवादी पार्टी नेताओं की तरफ से अखिलेश यादव के समर्थन में पोस्टर लगाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं संभावित 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी जीत और भूमिका को

लेकर अभी से ही दावे भी किए जा रहे हैं।

इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने लखनऊ में लगने वाले इन पोस्टर पर बड़ा पलटवार करते हुए कहा है कि वन नेशन वन इलेक्शन कानून अगर बन जाएगा तो 2027 में चुनाव ही कहां हो पाएगा।

एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव को कैबिनेट से मिल चुकी है मंजूरी

लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के समर्थन में लगने वाले पोस्टर पर पलटवार करते हुए राजभर ने कहा कि कैबिनेट द्वारा यह प्रस्ताव पास कर दिया गया है कि हम एक देश में एक चुनाव कराने के पक्ष में हैं। आने वाले सत्र में इस प्रस्ताव को सदन के समक्ष रखा जाएगा। अगर दोनों सदनों से यह पास हो जाता है और महामहिम की इस पर मुहर लग जाती है तो निश्चित ही यह कानून का रूप होगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति में सभी राज्यों और देश के चुनाव एक साथ होंगे। इसलिए खुद विचार करने वाली बात है कि जब एक देश एक चुनाव का कानून होगा तो उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव कैसे संभव होगा। ऐसे में सत्ता के लिए व्याकुल समाजवादी पार्टी के लोगों को और इंतजार करना पड़ेगा।

फोटो: 4 पीएम

विरोध समाजवादी पार्टी कार्यालय के पास एक व्यक्ति मोबाइल टॉवर पर चढ़ा। युवक का नाम राजीव सैनी बताया जा रहा है। युवक संविदा चालक है। युवक की पत्नी का कहना कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने हम लोग आए थे लेकिन नहीं मिलने दिया गया।

पोस्टर वार में अब हुई कांग्रेस की एंट्री

बटेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा, एक होंगे तो 400 रुपये में मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पोस्टर वार थमने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा के 'बटेंगे तो कटेंगे' के नारे की काट में यूपी में लगातार नए-नए नारे दिए जा रहे हैं। महाराष्ट्र चुनाव में सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर ये नारा दोहराया है तो वहीं आज समाजवादी पार्टी दफ्तर के बाहर समाजवादी पार्टी के नेता और कांग्रेस पार्टी के नेता द्वारा अलग-अलग पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में सपा और कांग्रेस की एकजुटता का भी संदेश दिया गया है। साथ ही भाजपा को भी निशाने पर लिया गया है।

समाजवादी पार्टी के दफ्तर के बाहर जो पोस्टर लगाए गए हैं उसमें समाजवादी पार्टी के नेता अभिषेक बाजपेई ने एक पोस्टर लगवाया है, जिसमें लिखा है, पीडीए की होगी जीत, एकता की होगी जीत। गंगा जमुना तहजीब को ना ही बंटने देंगे, ना ही समाज की एकता को कटने देंगे।

फोटो: सुमित कुमार

कांग्रेस की ओर से भी लगाए गए पोस्टर

वहीं दूसरा पोस्टर कांग्रेस नेता अजीत कुमार मौर्य की तरफ से लगाया गया है, जिसमें राहुल गांधी और अखिलेश यादव के फोटो के साथ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का सिंबल लगाया गया। इस सिंबल के साथ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई की तस्वीर एक दूसरे का हाथ पकड़े लगाई गई है। पोस्टर में लिखा गया न बटेंगे, न कटेंगे एक हैं और एक रहेंगे। बटेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा, एक होंगे तो 400 रुपये में मिलेगा।

उपचुनाव के बीच यह नारे बेहद अहम

उत्तर प्रदेश में चल रहे उपचुनाव के बीच यह नारे बेहद अहम हो जाते हैं, एक तरफ जहां सीएम योगी अपने नारे से अपने लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं तो वहीं समाजवादी पार्टी अपने नारे से अपने लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। अब इन नारों के बीच इंडिया गठबंधन भी कूद पड़ा है, इंडिया गठबंधन की तरफ से कांग्रेस पार्टी के एक नेता ने भी आज समाजवादी पार्टी दफ्तर से लेकर अलग-अलग जगह पर पोस्टर लगाए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।